UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल
मानविकी विद्याशाखा

सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT) - 2016 -17

बी0ए0 – 12/16 (कला में स्नातक) **द्वितीय वर्ष, प्रथम पत्र**

कर्मकाण्ड

कोर्स शीर्षक - शान्ति एवं संस्कार विधान | कोर्स कोड - BAKK - 201

शैक्षिक सत्र - 2016 – 17 | अधिकतम अंक – 40/30

जमा करने की अन्तिम तिथि – 30 अप्रैल 2016

निर्देश: -

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है, उनमें से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। खण्ड 'ख' में 4 प्रश्न दिये गये हैं। जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। इस खण्ड का प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है। बी0ए0- 12 पाठ्यक्रम कोड के अभ्यर्थियों के लिये सत्रीय कार्य का पूर्णांक 40 अंक का तथा बी0ए0एस -16 कोड के अभ्यर्थियों के लिये पूर्णांक 30 अंक का होगा।

खण्ड – 'क'

1. संस्कार से आप क्या समझते है ? अपने शब्दों में लिखिये ।
2. बालक का अन्नप्राशन संस्कार कब होता है ? समझाते हुये लिखिये ।
3. वेदारम्भ एवं समावर्तन संस्कार का संक्षिप्त परिचय दीजिये ।
4. विवाह का प्रयोजन लिखते हुये प्रकारों का भी उल्लेख कीजिये ।
5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिये -
   क. वधूप्रवेश ख. द्विरागमन
6. विवाह में कृत्य शुभाशुभ कार्यों का उल्लेख कीजिये ।
7. मूल शान्ति विधान का वर्णन कीजिये ।
8. चूड़ाकरण संस्कार क्या है ? लिखिये ।

खण्ड - 'ख'

1. नवग्रह शान्ति का विस्तृत वर्णन कीजिये ।
2. यमल जनन का परिचय देते हुये ज्वरादि रोगोत्पत्ति सिद्धान्त का विवेचन कीजिये ।
3. जातकर्म – नामकरण क्या है ? स्पष्ट कीजिये ।
4. उपनयन संस्कार की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालें ।